राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

'हार्ट कॉन्क्लेव 2024'

हृदय रोग से बचाव और उपचार के लिए हो प्रभावी कार्य

राज्यपाल ने कहा, चिकित्सा व्यवसाय नहीं सबसे पवित्र सेवा कार्य

जयपुर, 19 अक्टूबर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि चिकित्सा व्यवसाय नहीं सबसे पवित्र सेवा कार्य है। चिकित्सक को चाहिए कि वह कम से कम दवा और सस्ता सुलभ इलाज करते हुए अपने रोगियों को ठीक करने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने हृदय रोग से बचाव और उपचार के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया है।

राज्यपाल शनिवार को इटर्नल हॉस्पिटल द्वारा सिनाई हॉस्पिटल, न्यूयार्क के सहयोग से आयोजित 'हार्ट कॉन्क्लेव 2024' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हृदय रोग इस समय सबसे बड़े रोग के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। हर उम्र के लोगों को यह हो रहा है। इससे बचाव के साथ इसके होने पर जीवन रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जाए।

श्री बागडे ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट की चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया भर में हृदय रोग से संबंधित 17.9 मिलियन मौतों में से कम से कम पांचवां हिस्सा भारत का है। उन्होंने कहा कि हृदय रोगों से होने वाली मौतों में युवा उम्र के लोगों की संख्या बहुत अधिक है। यह चिंताजनक है।

उन्होंने इस संबंध में हृदय रोग की आरंभिक पहचान और रोकथाम के लिए समाज में वातावरण बनाए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हृदय रोग की बुनियादी समझ और रोग से बचाव के लिए समाज में वातावरण निर्माण की दिशा में भी प्रभावी कार्य किया जाए।

श्री बागडे ने योग की भारतीय संस्कृति और शारीरिक व्यायाम से युवा पीढ़ी को जोड़ने, कार्यस्थलों पर हैल्दी वातावरण निर्माण करने और हृदय रोगों से बचाव के साथ इसके होने पर तुरंत रखी जाने वाली सावधानियां पर भी चिकित्सकों को जागरूक किए जाने के कार्य करने पर जोर दिया।

————

Welcomes
Shri Haribhau Bagade
H'ble Governor of Rajasthan
6th ETERNAL HEART CONCLAVE, 2024

ETERNAL HEART
CONCLAVE, 2024